अखिल भारतीय तेरापंथ किशोर मण्डल का अधिवेशन शुरू

किशोरों में हो विनम्रता का विकास : आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 20 अक्टूबर, 2010।

आचार्य महाश्रमण ने कहा कि विनम्रता से विद्या का विकास होता है और प्रतिष्ठा बढ़ती है। किशोरों में विनम्रता विकास होना चाहिए। अहंकार व्यक्ति के विवेक को नष्ट कर देता है। अहंकार के कारण प्रतिष्ठा धूमिल हो जाती है। विनम्रता के विकास से हम अहंकार पर विजय प्राप्त करें।

उक्त विचार उन्होंने स्थानीय तेरापंथ भवन में आयोजित अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के तत्वावधान में तेरापंथ किशोर मण्डल के छठे राष्ट्रीय अधिवेशन में देश की 28 शाखा मण्डलों से पहुंचे किशारों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। प्रवचन कार्यक्रम शुरू हुए अधिवेशन में उन्होंने आगे कहा कि किशोरों में अभय के भाव पुष्ठ होने चाहिए। ज़य की स्थिति का परिष्कार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नवीनता का समावेश होना चाहिए। धर्म ऐसा तत्व है जिसमें नवीनता बनी रहती है।

इससे पूर्व अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतम डागा ने अधिवेशन के शुभारज़्भ की घोषणा की और किशोरों को संबोधित किया। उन्होंने इस मौके पर ही परिषद् द्वारा प्रतिवर्ष दिये जाने वाले आचार्य महाप्रज्ञ प्रतिभा पुरस्कार मुज़्बई के दिलीप सरावगी को एवं आचार्य महाश्रमण युवा व्यक्तित्व पुरस्कार चैन्नई के डॉ. कमलेश नाहर को 25 अक्टूबर को प्रदान किये जाने की घोषणा की। इस पुरस्कार स्वरूप एक-एक लाख रुपये की राशि, प्रशस्ति पत्र एवं साहित्य प्रदान किये जायेंगे। परिषद् के प्रभारी मुनि दिनेश कुमार ने प्रेरणा पाथेय प्रदान किया। मंगलाचरण बालोतरा के मोहित सालेचा ने किया। संचालन किशोर मण्डल प्रभारी अनिल सांखला ने किया।

नि:शुल्क होज़्योपैथिक जांच शिविर का आयोजन

आचार्य महाश्रमण के चातुर्मासिक प्रवास के अवसर पर पूनमचन्द हिरावत असाध्य रोग चिकित्सा सेवा केन्द्र द्वारा नि:शुल्क होज़्योपैथिक जांच शिविर का आयोजन तेरापंथ भवन के समीप पण्डाल में किया गया। इस शिविर के आयोजन में वार्ड नं. 10 के भाजपा पार्षद सज़्तमल सेठिया का विशेष योगदान रहा।

डॉ. बी.एस. कुमार, डॉ. धनराज हिरावत, डॉ. अरविन्द कुमार ने 500 व्यक्तियों का ईलाज किया, जिसमें डाईविटीज, हृदय किडनी, लीवर, दमा, घुटना आदि जटिल बीमारियों का निदान भी बताया। इस शिविर को सफल बनाने में जतनमल सेठिया, हेमन्त बरड़िया, उषा हिरावत, चंदादेवी बरड़िया का विशेष श्रम नियोजित हुआ।

राष्ट्रीय अणुव्रत छात्र सम्मेलन

अणुव्रत जीवन शुद्धि का एक नैतिक अभियान है, इसके अंतर्गत समाज के सभी वर्गों का समावेश है। शिक्षकों में अणुव्रत शिक्षक संसद के रूप में अणुव्रत विश्व भारती एक व्यापक कार्य चला रही है। संसद का विस्तार क्षेत्र पूरा भारत देश है। शिक्षकों के मार्गदर्शन में छात्रों के जीवन निर्माण का कार्यक्रम भी सतत गतिमान है दिनांक 21-22 अक्टूबर को स्थानीय तेरापंथ भवन में आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में राष्ट्रीय अणुव्रत संसद का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया जा रहा है। शिक्षक संसद के परामर्शक हीरालाल श्रीमाली ने सूचित किया है कि अणुव्रत प्रभारी मुनि सुखलाल के निर्देशन में आठ प्रदेशों के 125 प्रतिनिधि छात्र-छात्रा तथा 40 अहिंसा प्रशिक्षक इस अधिवेशन में भाग ले रहे हैं।

- शीतल बरड़िया (मीडिया संयोजक)